

श्रसाय रण

EXTRAORDINARY

भाग **II**—-प्रण्ड 3—**-उपखण्ड** (**ii**)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्रशासिकार से अकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

36]

नई दिल्ली, सोमवार, जनवरी 21, 1974/माघ 1

36)

NEW DELHI, MONDAY, JANUARY 21, 1974/MAGHA 1, 1895

इस भाग में भिन्न पृष्ट संख्या दी जातो हैं जिससे कि यह अजन संकलन के रूप में रखा जा सर्व ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 21st January, 1974

S.O. 53 (E).-Whereas by the North-Eastern Areas (Reorganisation) (Mizoram) Adaptation of Laws on State and Concurrent Subjects Order, 1974, made under section 79 of the North-Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 (81 of 1971), the Central Government has adopted certain laws in force in the Union territory of Mizoram:

And whereas under paragraph 3 of the said Order, references to the State Government (by whatever form of words), "Governor of Assam" and "Governor" occurring in any law other than a law relating to a matter enumerated in the Union List have been adapted as references to the Central Government;

Now, therefore, in pursuance of clause (1) of article 239 of the Constitution and all other powers enabling him in this behalf and in partial modification of the notification of the Government of India in the Ministry of Home Affairs, No. S.O. 53(E), dated the 21st January, 1972, the President hereby directs that, subject to his control and until further orders, the powers and functions exercisable and dischargeable by the Central Government, by virtue of the education referred to charge under laws other there there there there there there is the control of the control to charge under laws other there there there there there is the control of of the adaptation referred to above, unde laws other than those relating to matters enumerated in the Union List shall, in relation to the Union territory of Mizoram, be also exercised and discharged by the Administrator of that Union territory.

> [No. U-11030/1/74-UTL.] K. R. PRABHU, Jt. Secv.

गृह मजालम

श्रधिसूचना

नई दिल्ली, 21 जनवरी, 1974

का • का • का • 53 (का). — यतः पूर्वीत्तर क्षेत्र (पुनर्गठन) श्रिधिनियम, 1971 (1971 का 81) की धारा 79 के श्रधीन बनाए गए, पूर्वीत्तर क्षेत्र (पुनर्गठन) (मिजोरम) राष्य श्रीर समवती विषयों से सम्बन्धित विधियों का श्रमुकूलन श्रादेश, 1974 द्वारा, केन्द्रीय सरकार ने मिजोरम संघ राज्य-क्षेत्र में प्रवृत्त कतिप्य विधियों का श्रमुकूलन किया है ।

भीर यतः उक्त श्रादेश के गैरा 3 के श्रधीन, संघ सूची में प्रगणित विषयों से सम्बन्धित विधि से भिन्न विधियों में श्राने वाले राज्य सरकार (चाहे वह किन्ही भी शब्दों में हो), ''ग्रसम का राज्यपाल'' श्रोर ''राज्यपाल'' के प्रति निर्देश को केन्द्रीय सरकार के प्रति निर्देश के रूप में श्रनुकृतित किया गया है ;

श्रतः, श्रवं, राष्ट्रपति, संविधान के श्रनुष्ठिय 239 के खण्ड (1) श्रीर इस निमित्त श्रपने को समर्थ बनाने वाली सभी श्रम्य शक्तिमों के श्रनुसरण में तथा भारत सरकार के गृह मंत्रालय की धिधसूचना संक्राव्या 53 (ई), तारीख 21 जनवरी, 1972 को भागतः उपान्तरित करते हुए, यह निदेश देते हैं कि उनके नियंत्रण के श्रधीन रहते हुए तथा जब तक श्रीर श्रादेश न हों, उन विधियों से, जो संघ सूची में प्रगणित विषयों से सम्बन्धित हैं, भिन्न विधियों के श्रधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा ऊपरि निर्दिष्ट श्रनुकूलन के श्राधार पर, श्रयोक्तव्य श्रीर निर्वहन की जाने योग्य शक्तियों श्रीर कृत्यों का प्रयोग श्रीर निर्वहन मिजोरम नंब राज्यक्षेत्र के मण्डक से एक्यक्षेत्र के प्रणासक द्वारा भी किया जाएगा।

[सं• यू-11030/1/74-यू• टी• एल•] के• आर• प्रभु, तंयुक्त सचिन।